



क्या शास्त्री की बात मानेंगे विराट-रोहित

नई दिल्ली, 23 जनवरी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला 24 जनवरी को है। वहीं, रणजी ट्रॉफी में अगले राउंड के मुकाबले भी इसी दिन शुरू हो रहे हैं। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री की ओर से सलाह आई कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों को इस वनडे की जगह अपनी-अपनी घरेलू टीमों के लिए रणजी मैच खेलना चाहिए। अगले महीने से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू हो रही है। इस सीरीज को प्रैक्टिस के लिए रणजी मैच खेलना अच्छा उपाय हो सकता है। विराट और रोहित यह सलाह मॉर्गेन या नहीं यह हमें अगले कुछ घंटों में पता चल ही जाएगा। अब तक इसको लेकर



आज का खिलाड़ी



कैरोलिनी मारिन

करियर को खतरे में डालने वाली दो बार घुटने की चोट किसी भी खिलाड़ी का हीसला तोड़ सकती है लेकिन ओलंपिक चैंपियन कैरोलिना मारिन ने 'दरद' को स्वीकार किया और हार मानने के बजाय संघर्ष करने का फैसला किया। ओलंपिक, विश्व और यूरोपीय चैंपियन मारिन को

राष्ट्रदूत जयपुर, 24 जनवरी, 2023 7

जनवरी में 2019 इंडोनेशियाई मास्टर्स फाइनल के दौरान अपने दाहिने घुटने में एंटीरियर क्रूफिफ्ट लिगामेंट (एसीएल) की चोट का सामना करना पड़ा था उन्होंने 2020 में वापसी की और तोक्वो खेलों की तैयारी कर रही थी जब उन्हें एक और एसीएल का सामना करना पड़ा।

क्या आप जानते हैं? ... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

पूर्व कोच ने दोनों को दी रणजी खेलने की सलाह, ताकि स्पिन के खिलाफ बैटिंग सुधरे

खिलाड़ियों का कोई बयान आया नहीं है। इससे भी उम्मीद है कि हमारे स्टार वनडे को ही तरजीह देंगे। हालांकि, बैटिंग का एक पहलू जरूर ऐसा है जिससे आधार पर लगता है कि दोनों सितारों को घरेलू मैच जरूर खेलना चाहिए। विराट और रोहित दोनों ही हाल के समय घरेलू पिचों पर स्पिन के खिलाफ लड़खड़ाते लगे हैं। पिछले दो वनडे मैच को ही याद कीजिए। विराट को मिचेल सैंटनर की गेंद समझ नहीं आ रही थी। इस स्टोरी में हम पहले तो स्पिनर्स के खिलाफ विराट और रोहित की भारतीय पिचों पर पिछले दो साल के रिकॉर्ड को देखेंगे। फिर यह समझने की कोशिश करेंगे कि वे दोनों घरेलू क्रिकेट में क्यों नहीं खेलते हैं। आमतौर पर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ

टेस्ट सीरीज के लिए भारत में स्पिन ट्रैक बनाए जाते हैं। घुमती गेंदें विदेशी बल्लेबाजों को कन्फ्यूज करती हैं। हम उम्मीद करते हैं कि इन पिचों पर हमारे बल्लेबाज दुनिया के किसी भी स्पिनर को अच्छे खेल लेंगे और हम सीरीज जीत लेंगे। घर में स्पिन पिच बनवाने का फैसला हमें रास भी आता रहा है। 2012 के बाद भारतीय टीम घरेलू पिचों पर कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। आप कहेंगे कि जब लगातार जीत ही रहे हैं तो फिर विराट और रोहित को लेकर डिबेट ही क्यों? डिबेट इसलिए है क्योंकि स्पिनर्स के सामने ये लगातार फेल हो रहे हैं। हाल-फिलहाल ऋषभ पंत अपनी शानदार बैटिंग से इनकी विफलताओं को ढक लेते थे। इस बार पंत नहीं है। इसलिए भारतीय टॉप ऑर्डर के

पास फेल होने का आँखान नहीं है। रोहित शर्मा : साल 2020 से अब तक भारत में खेले टेस्ट मैचों में कुल 9 बार आउट हुए हैं। इसमें से 6 बार उन्हें स्पिनर्स ने आउट किया है। इन 6 में 5 बार रोहित को लेफ्ट आर्म स्पिनर ने आउट किया है। सबसे ज्यादा जैक लीच ने चार बार आउट किया है। विराट कोहली 2022 से अब तक देश में खेले टेस्ट मैचों में 11 बार आउट हुए हैं। 9 बार स्पिनर्स ने आउट किया। इनमें से 5 दफा लेफ्ट आर्म स्पिनर और 4 बार राइट आर्म स्पिनर ने आउट किया है। स्पिनर्स में मोहन अली ने सबसे मुकाबला करीब 2 घंटे तक चला। सािन्या मिर्जा और एना डेनिलिना ने डालमा गल्फ्री और बर्नाडो पेरा की हंगरी-अमेरिकी जोड़ी को हराकर महिला युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया था।

और रोहित ऑल फॉर्मेट प्लेयर्स हैं। इसके अलावा ये भी खेलते हैं। ऐसे में अगर घरेलू क्रिकेट भी खेलेंगे तो बर्न आउट हो जाएंगे। तर्क सुनने में सही लगता है, लेकिन यह भी ध्यान देना चाहिए ये खिलाड़ी ब्रेक भी तो बहुत लेते हैं। घरेलू क्रिकेट न खेलने की वजह से स्पिन के खिलाफ इनकी प्रैक्टिस बहुत कम हो जाती है। विदेशी दौरों पर पिचें ज्यादातर फास्ट बॉलिंग को मददगार होती हैं। लिहाजा बाहर स्पिन का अभ्यास नहीं मिलता। दूसरी ओर घर में व्हाइट बॉल क्रिकेट खेलकर टेस्ट क्रिकेट के लायक स्पिन का अभ्यास नहीं हो सकता है। ज्यादा क्रिकेट की समस्या सचिन तेंडुलकर और राहुल द्रविड़ के खेलने के जमाने में भी रही थी। तब टी-20 नहीं था, लेकिन वनडे

मैच बहुत होते थे। इसके बावजूद सचिन तेंडुलकर जैसा सीनियर और दिग्गज खिलाड़ी जल्दत के हिसाब से घरेलू क्रिकेट खेलता था। 1998 में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत दौर पर आई थी। टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया का अभ्यास मैच मुंबई से था। सचिन इस मैच में मुंबई के लिए खेले थे, ताकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए तैयारी अच्छी हो सके। इसके अलावा भी वे कई मुंबई के लिए रणजी के सेमीफाइनल, फाइनल जैसे नॉकआउट मुकाबलों में उतरे। द्रविड़ और लक्ष्मण भी भारतीय स्टार बन जाने के बावजूद अक्सर घरेलू क्रिकेट खेलते रहते थे। इससे भारतीय परिस्थितियों में रेड बॉल के खिलाफ इनकी बैटिंग की धार बनी रहती थी

एमआई, आरसीबी खरीदना चाहता है महिला आईपीएल में टीमों

मुंबई, 23 जनवरी। मुंबई इंडियन्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर सहित कुल छह फ्रैंचाइजियों ने महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में टीमों खरीदने की मंशा जाहिर की है। क्रिकबज ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के हवाले से सोमवार को बताया कि इन फ्रैंचाइजियों में सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स का नाम भी शामिल है। महिला आईपीएल के लिये बोली दरतावेज जमा करने की आखिरी तारीख 23 जनवरी थी। क्रिकबज ने बताया कि ये छह फ्रैंचाइजी बोली दरतावेजों के साथ मौके पर दिखाई दीं। चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स और लखनऊ सुपर जायंट्स ने महिला आईपीएल में टीम नहीं खरीदने का फैसला किया है। गैर-आईपीएल पार्टियों में से किफने कागजात जमा किये हैं इस पर अभी तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं हुयी है, हालांकि अडानी समूह और टॉरेट फार्मा ने भी महिला आईपीएल में अपनी रुचि व्यक्त की है।

सानिया-बोपन्ना की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

ऑस्ट्रेलियन ओपन के मिक्सड डबल में बेहर-निनोमिया को 6-4, 7-6 से हराया, अब जेलेना-डेविड से मुकाबला

नई दिल्ली, 23 जनवरी। आखिरी ग्रैंड स्लैम खेली रही भारतीय स्टार सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन की मिक्सड कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय जोड़ी ने उरुग्वे के एरियल बेहर और माकोटो निनोमिया की जोड़ी 6-4 7-6 से हराया। एक घंटे 17 मिनट चले इस मुकाबले के पहले सेट में भारतीय हावी रहे। उसके बाद उरुग्वे-जापानी जोड़ी ने कमाल चुनौती पेश की, हालांकि यह जोड़ी मुकाबले को आखिरी सेट तक नहीं ले सकी। मंगलवार को भारतीय जोड़ी का सामना लातवियाई की जेलेना ओस्टापेंको और स्पेन के डेविड वेगा हर्नांडेज की जोड़ी से होगा। बोपन्ना-मिर्जा ने 6 साल पहले 2017 में फ्रेंच ओपन का मिक्सड डबल्स खिताब जीता था। साल के पहले ग्रैंड स्लैम की बात करें तो ऑस्ट्रेलियन ओपन में



मिर्जा महेश भूपति के साथ 2009 में चैंपियन बनी थीं। भारतीय जोड़ी ने राउंड ऑफ 16 के इस मुकाबले का पहला सेट आसानी से जीत लिया। इसका स्कोर 6-4 रहा। दूसरे सेट में उरुग्वे-जापानी जोड़ी ने मिर्जा-बोपन्ना को जबर्दस्त चुनौती दी।

मुकाबला टाइब्रेकर तक गया, हालांकि जीत भारतीयों के पक्ष में रही। इसका स्कोर 7(11)-6(9) रहा। रियो ओलिंपिक की सेमीफाइनलिस्ट भारतीय जोड़ी ने दो दिन पहले वाइल्ड कार्ड एंटी प्राप्त ऑस्ट्रेलिया की जैमी फोरलिस और ल्यूक सैबल को एक घंटे 14 मिनट में 7-5, 6-3 से हराया था। साल के पहले ग्रैंड स्लैम के 7वें दिन भारतीय स्टार सानिया मिर्जा अपनी जोड़ीदार एना डानिलिना के साथ दूसरे दौर में उलटफेर का शिकार हुईं। भारत-कजाख की 8वीं सीड जोड़ी को बेलियम की एलिसन वान उदतवैक और यूक्रेन की एनहेलिना कलिनिना की गैरवजह जोड़ी ने 4-6, 6-4, 2-6 से हराया। यह मुकाबला करीब 2 घंटे तक चला। सािन्या मिर्जा और एना डेनिलिना ने डालमा गल्फ्री और बर्नाडो पेरा की हंगरी-अमेरिकी जोड़ी को हराकर महिला युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया था।

आईसीसी की टी-20 टीम में कोहली, सूर्यकुमार, पांड्या

दुबई, 23 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2022 की टी-20 टीम में विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या के रूप में तीन भारतीय क्रिकेटर्स को शामिल किया है। रन मशीन कोहली ने 2022 में फॉर्म में वापसी करते हुए अपनी बल्लेबाजी की पुरानी झलक दिखाई। वह एशिया कप के पांच मैचों में 276 रन बनाकर टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। साथ ही उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार शतक के साथ करीब तीन साल के अपने शतक के सूखे को समाप्त किया। पिछले साल 23 अक्टूबर को कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ 82 रन की करिश्माई पारी खेली जिसे उन्होंने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी भी बताया। कोहली ने टी20 विश्व कप में इसके बाद भी तीन अद्विश्वक जड़े और 296 रनों के साथ टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। एकादश में कोहली के बाद चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव को जगह दी गयी है, जिन्होंने पिछले साल अपनी 360 डिग्री बल्लेबाजी से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सूर्यकुमार ने 2022 में 187.43 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 1164 रन टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाये, जिसमें दो शतक और नौ अद्विश्वक शामिल रहे। साथ ही वह एक साल में 1000 टी20 रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गये। आईसीसी ने साल की सर्वश्रेष्ठ टी20 एकादश में सातवें नंबर पर हार्दिक पांड्या को जगह दी। पांड्या ने 2022 में बतौर ऑलराउंडर भारत के लिये बल्ले और गेंद दोनों से जबरदस्त योगदान दिया। गुजरात को आईपीएल 2022 का खिताब जिताने वाले पांड्या ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 607 रन बनाये और 20 विकेट भी लिये। जहां टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली ने आक्रामक रुख अपनाया, वहीं दूसरे खोर पर पांड्या ने 31 रन पर चार विकेट गिरने के बाद पारी को संभालने में मदद की। पांड्या ने विश्व कप के सेमीफाइनल में भी अपनी अविश्वसनीय विटिंग का प्रदर्शन करते हुए 33 गेंदों में 63 रन बनाकर भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। उनकी जगह दी गयी है, जिन्होंने पिछले साल और भारत सेमीफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

मैंने नहीं किया अदालत का रुख : वृजभूषण

नयी दिल्ली, 23 जनवरी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष और कैसरगंज लोकसभा सीट से सांसद वृजभूषण शरण सिंह ने दिल्ली सरकार, विरोध प्रदर्शन करने वाले पहलवानों या किसी मीडिया संस्थान के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दर्ज नहीं की है। वृजभूषण ने सोमवार को टवीट करके इसकी जानकारी दी। वृजभूषण ने टवीट किया, मेरे या मुझसे सम्बद्ध किसी अधिकृत व्यक्ति द्वारा दिल्ली सरकार, धरना देने वाले पहलवानों और न्यूज चैनलों के विरुद्ध कोई याचिका प्रस्तुत नहीं की गई है। मैंने किसी अधिकवार, लॉ एजेंसी या प्रतिनिधि को किसी न्यायालय में याचिका प्रस्तुत करने की अनुमति या अधिकार प्रदान नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि विश्व चैंपियनशिप मेडलिस्ट विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया सहित कई सम्मानित पहलवानों ने वृजभूषण पर यौन शोषण जैसे गंभीर आरोप लगाये थे। वृजभूषण ने अदालत जाने की अफवाहों पर पूर्ण विराग लगाते हुए कहा, मीडिया के सभी माध्यमों से आग्रह है कि कोई भी अपुष्ट और अप्रामाणिक खबर प्रसारित न करे। वर्तमान समय में विश्व को संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए सभी से अनुरोध है कि किसी अफवाह या प्रामक तथ्य को बढ़ावा देकर अव्यवस्था न बढ़ाये।

भारत-न्यूजीलैंड मैच में कल अंपायरिंग करेंगे इंदौर के नितिन मेनन

इंदौर, 23 जनवरी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 24 जनवरी को इंदौर के होलकर स्टेडियम में वनडे मैच खेला जाएगा। मैच के लिए दोनों टीमों इंदौर पहुंच चुकी हैं। वहीं इस बार एक खास संयोग भी मैच में रहेगा। सामान्य तौर पर जिस शहर में मैच होता है वहां का यदि खिलाड़ी भी मैच खेल रहा है तो सभी की उस पर नजर रहती है, लेकिन इस बार खास बात यह कि इंदौर का एक बेटा नितिन मेनन मैच के दौरान मैदान में अंपायरिंग करता नजर आएगा। 40 साल में ऐसा पहली बार होगा जब कोई इंदौर अंपायर अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच में मैदान पर फैसला सुनाएगा। नितिन के अंपायर पिता भी अपने शहर इंदौर में किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में अंपायरिंग करना चाहते थे, हालांकि उन्हें अक्सर नहीं मिला, लेकिन बेटे को अक्सर मिलने पर वे बहुत खुश हैं। नितिन अब तक करीब 90 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग कर चुके हैं। आए जाने हैं, उनके बारे में और ये भी बताएंगे कि पिता ने उन्हें क्या

समझाया है, जो आज भी उनके दिमाग में है। नितिन के पिता नरेंद्र मेनन भी अंपायर रहे हैं। वे बताते हैं, '1960 में मैंने 13 साल की उम्र में स्कूल टूर्नामेंट खेला था। तब दो ही टूर्नामेंट होते थे स्कूल और रणजी ट्रॉफी। इसके बाद 1966 में मैंने रणजी खेला। रणजी खेलने पर तब 10 रूप्य प्रतिदिन के मान से मिलते थे। अब तो ये अमाउंट करीब डेढ़ लाख रूप्य रोजाना हो चुका है। प्रैक्टिस के लिए सिर्फ खिमाना था। इंदौर में मैटिन विकेट पर खेला, रणजी में नागपुर में टर्फ पर खेलने को मिलता था। 1981 तक बतौर क्रिकेटर खेला रहा। इसके बाद 1983 से 1997 तक रणजी ट्रॉफी में सिलेक्टर रहा। इस बीच 1982 में स्टेट लेवल अंपायर बन गया था। इंदौर के बेटे नितिन मेनन के पिता नरेंद्र मेनन भी अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग कर चुके हैं। आइए आपको बताते हैं कि पिता नरेंद्र मेनन ने इंदौर में होने वाले मैच और नितिन की अंपायरिंग

को लेकर दैनिक भास्कर से चर्चा में क्या कहा। 'पूरा परिवार गर्व महसूस कर रहा है। इसलिए सभी मैच देखने भी जाएंगे। अंपायरिंग में गलती तो सभी से होती है। नोबडी इज परफेक्ट (कोई भी सम्पूर्ण नहीं होता)। कोई भी व्यक्ति जानबूझकर गलती नहीं करता है, लेकिन कुछ न कुछ गलती हो जाती है। मैच कोई सा भी हो, अंपायरिंग-अंपायरिंग ही होती है। जूनियर मैच हो, रणजी ट्रॉफी मैच हो। मैंने हमेशा बच्चे को एक ही चीज बोली है कि अगर अच्छी अंपायरिंग करनी है तो कोई भी बॉलर हो, कोई भी बैट्समैन हो मुंह देखकर अंपायरिंग करोगे तो आप कभी अच्छी अंपायरिंग नहीं कर सकते। क्या होता है मान लीजिए सामने जैसे कपिल देन आ गए, अभी विराट कोहली हैं तो कई अंपायर चेहरा देखकर घबरा जाते हैं। बेटे को मेरी यही सलाह थी कि अपना काम है, बॉल देखना, बेट देखना, पैड्स देखना और स्टम्प देखना। सिर्फ इस पर कॉन्सट्रेट करोगे तो बहुत अच्छे अंपायर बन सकते हो।

पूर्णांक का कहर, असम की पारी 101 पर डेर

कानपुर 23 जनवरी। मध्यम तेज गेंदबाज पूर्णांक त्यागी (33 रन पर छह विकेट) और कुनाल त्यागी (50 रन पर तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत उत्तर प्रदेश ने सीके नायडू अंडर-25 में वर्षा बाधित लीग मुकाबले के दूसरे दिन सोमवार को असम की पहली पारी को 101 रन पर समेट दिया। ग्रीनपार्क मैदान पर दिन का खेल खत्म होने के समय तक हर्ष त्यागी (6) और अंजनीय सूर्यवंशी गैंगर खाला खोले क्रॉज पर मौजूद थे। टॉस जीत कर पहले क्षेत्ररक्षण कर रहे मेजबान टीम के गेंदबाजों ने बादलों से ढके आसमान के बीच पिच की नमी का भरपूर फायदा उठाया। पूर्णांक और कुनाल की जोड़ी असम के बल्लेबाजों पर कहर बन कर टूटी और मेहमान टीम के खेमे में पूरे दिन हलचल बनी रही। पूर्णांक ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुये दो रन के इकॉनोमी रेट से असम के छह बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। पूर्णांक का खोफ विपक्षी खेमे में इस कदर छाया रहा था कि उनके तीन बल्लेबाज बिना खाता खोले पवेलियन लौट गये। रितुज विश्वास (46) इकलौते ऐसे बल्लेबाज थे जिन्होंने मेजबान गेंदबाजी का सामना साहस के साथ किया।

एक पैर से दुनिया के सबसे ऊंचे पहाड़ किए फतह

शारीरिक अक्षमता भी ऊंचे इरादों को नहीं डिगा सकती, यही साबित करने के लिए दुर्गम पहाड़ों पर क्लाइंबिंग और स्कीईंग करता हूँ



नहीं मिली। ऐसा लगता था कि वह मुझे बांध रहा हो और आगे बढ़ने से रोक रहा हो। स्वतंत्र महसूस नहीं करता था। इसके बाद फोरआर्म प्रॉस्थेटिक क्रूजेस (बैसाखी) का प्रयोग शुरू किया। इन्हें मैं 'निंजा-रिस्क' कहता। बहुत से लोग अक्षमता को भयानक घटना के रूप में देखते हैं। वे मेरे पास आकर दया की भावना दिखाते। लेकिन मेरे हिसाब से दिव्यांगता और अक्षमता कमजोरी की निशानी नहीं हैं। समस्याएं वे हैं, जो जिंदगी में बाधा डालती हैं। मैं स्कीईंग, क्लाइंबिंग कर ऐसी बाधाओं और धारणाओं को तोड़ता हूँ। मेरा मानना है कि हम ईंसान हैं और हम लोगो हैं अक्षमता हमेशा रहेगी। बहरहाल, मैंने 11 साल की उम्र में सबसे पहले स्कीईंग की थी। मैं भाई के साथ कनिक्वेट को स्थानीय पहाड़ी पर स्कीईंग करने गया था। वहां के अन्य स्कीयर ने मुझसे सिर्फ इतना कहा- गुड जॉब, ऐसे ही करते रहो। इससे मुझे काफी प्रेरणा मिली। मैं शुरुआत में भारत में पला-बढ़ा, जहां काफी गरीबी देखी थी। वहां के अनुभवों ने मुझे न केवल दिव्यांग समुदाय बल्कि हाशिए पर रहने वाले समूहों के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया। मैं और मेरे दोस्त पीट मैकेफी यॉर्क अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी डेनाली फतह करने वाले पहले दिव्यांग एथलीट बन थे। मैं अमेरिका की दिव्यांग फुटबॉल टीम में एक पेशेवर खिलाड़ी भी हूँ।

भारतीय पिचों पर आगर हो सकते हैं एक्स फैक्टर : लेहमन

सिडनी, 23 जनवरी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कोच डैरेन लेहमन ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में एस्टन आगर को एकादश में जगह देनी चाहिए क्योंकि वह भारतीय पिचों पर एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं। लेहमन ने ऑस्ट्रेलियाई रेडियो स्टेशन सेन पर कहा, मैं वहां जा चुका हूँ, इसलिये मैं एक फिगर स्पिनर को तरजीह दूंगा। उल्लेखनीय है कि जब ऑस्ट्रेलिया ने 2017 में भारत को पुणे में मात दी थी तब लेहमन मेहमान टीम के कोच थे। पुणे टेस्ट

में वामहस्त स्पिनर स्टीव ओकोफ ने मैच जिताऊ प्रदर्शन करते हुए 12 विकेट अपने नाम किये थे। लेहमन ने कहा, गेंद हवा में तेजी से सफर करती है। कुछ गेंदें स्पिन होती हैं और कुछ नहीं। लोग स्पिनर कभी-कभी बहुत अधिक स्पिन कर देते हैं। (फिगर स्पिनरों की) कुछ गेंदें फंसकर आती हैं, आप पनाबाधा आउट हो जाते हैं। यह फिगर स्पिनर को चुनने का एक कारण है। उन्होंने कहा, हमने चार साल पहले (2017) ऐसा किया था और स्टीव ओकोफ

ने भारत को अपने दम पर आउट करके हमें वहां आखिरी जीत दिलाई थी। मैं इसी कारण से आगर को टीम में चुनूंगा। वह थोड़ी बल्लेबाजी कर सकते हैं और दूसरे स्पिनर के तौर पर गेंदबाजी कर सकते हैं। भारत के खिलाफ होने वाले चार टेस्ट मैचों के लिये चुनी गयी ऑस्ट्रेलियाई स्क्वाड में आगर एकमात्र वामहस्त स्पिनर हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई टीम में लेग-स्पिनर मिचेल स्वेपसन और ऑफ-स्पिनर टॉड मर्फ का नाम भी शामिल है।

राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता में जोधपुर के पूराराम को गोल्ड

नई दिल्ली, 23 जनवरी। राष्ट्रीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई), दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता-2023 (एन्ट्रून्स 40- किमी) सागर एक्स्प्लोरेशन स्पोर्ट्स अकेडमी, गजधर पूरा, जयपुर में 20 जनवरी से 22 जनवरी 2023 को संपन्न हुई जिसमें 12 रात्यों से 15 टीमों के करीब 150 से ज्यादा घाड़ें एवं घुड़सवारों ने भाग लिया। इसमें जूरी मेम्बर कर्नल भरत सिंह प्रेसीडेंट टाउन्ड जूरी तथा अद्वुल अजीज सर टैकिक्ल डेलीगेट तथा श्री नीरव पटेल जूरी मैनम्बर थे। जिनकी नियुक्ति राष्ट्रीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई), दिल्ली द्वारा की जाती है। राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता-2023 (40-किमी) में सागर एक्स्प्लोरेशन स्पोर्ट्स अकेडमी, जयपुर के पूराराम ने व्यक्तिगत स्पर्धा में गोल्ड मेडल, राहुल कुमार ने सिल्वर मेडल एवं सर्वान सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। टीम स्पर्धा में भी सागर एक्स्प्लोरेशन स्पोर्ट्स अकेडमी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्वालीफाई घोड़े एवं घुड़सवार 24-25 फरवरी 2023 को सागर एक्स्प्लोरेशन स्पोर्ट्स अकेडमी, गजधर पूरा, जयपुर में ही आयोजित एन्ट्रून्स 60- किमी में भाग लेंगे।

